Patrika (Indore), 12th February 2026, P- 02

आइआइटी इंदौर : कार्यशाला का आयोजन

शोध को समाज के लिए उपयोगी बनाना जरूरी : प्रो. सुहास जोशी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर में बुधवार को 'बीआइएस- सतत विकास के लिए शैक्षणिक सहयोग' विषय पर कार्यशाला की गई। इसमें निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा, आज के दौर में केवल शोध करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे व्यवहारिक और समाज के लिए उपयोगी बनाना जरूरी है। शिक्षा संस्थानों, उद्योग और बीआइएस के बीच सहयोग से शोध को बड़े स्तर पर लागू किया जा सकता है।

कार्यक्रम में 200 से ज्यादा शिक्षाविद्, शोधकर्ता, छात्र, उद्योग विशेषज्ञ, स्टार्टअप प्रतिनिधि और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। शुरुआत आइआइटी इंदौर में स्थापित 'बीआइएस कॉर्नर' पहल के परिचय से हुई, जिसे छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए संसाधन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। संकाय सदस्य प्रो. मनीष कुमार गोयल ने बताया, यह पहल स्टार्टअप और शोधकर्ताओं को ऐसे नवाचार विकसित करने में मदद करेगी, जो गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों और बाजार तक पहुंच सकें। कार्यशाला के दौरान जुलाई 2023 से दिसंबर 2025 तक के बीआइएस-आइआइटी इंदौर समझौते के अंतर्गत हुई प्रगति साझा की गई। इस अवधि में 12 कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम किए गए, जिनमें 800 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सात बीआइएस स्टूडेंट चैप्टर

आइआइटी इंदौर में सिविल, मैकेनिकल, केमिकल इंजीनियरिंग और गणित विभागों में सात बीआइएस स्टूडेंट चैप्टर भी स्थापित किए गए हैं। संस्थान के संकाय सदस्यों ने बीआइएस के तहत 33 शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं, जिनमें से कई परियोजनाएं जल ऑडिट, प्रदूषण मापन, स्वच्छता प्रणाली, सामग्री परीक्षण और पर्यावरण निगरानी से जुड़ी हैं।